57

न्यायालय श्रीमान् सदस्य महोदय म०प्र० राजस्व मण्डल ग्वालियर

सर्किट कोर्ट रीवा म०प्र०

निगरानी प्रकरण क्रमांक /2012

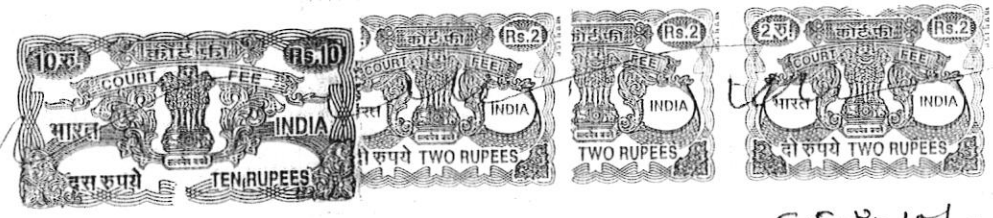

C.F. Rs 15/-

राजेन्द्र प्रसाद दुबे तनय गोविन्द प्रसाद दुबेउम्री 38 वर्ष, पेशा खेती निवासीग्राम हटवा सुरैहान पो० ढनगन तह० मऊगंज, जिला रीवा म०प्र० ---------- ---------- आवेदक

बनाम

1- हेतराम दुबे तनयरामटहल

2- विजयकुमार तनय जानकीराम दुबे

3- राजभान दुबे तनय जानकीराम दुबे

4- इन्द्रजीत दुबे तनय जानकीराम दुबे

5-रामनिश्चय दुबे तनय जानकीराम दुबे,

सभी निवासीगण ग्राम हटवा सरैहान, तहसील मऊगंज, जिलारीवाम०प्र०

-------- अनावेदकगण

निगरानी विरुद्ध आदेश श्रीमान् अनुविभागीय अधिकारी मऊगंज दिनांक 16-10-12 बावत प्रकरण क्र०19अ27/2010-11

अन्तर्गत धारा 50 म०प्र० भूराजस्व संहिता सन 1959ई०

संक्षेप मे तथ्य

ग्राम हटवा सुरैहान तहसीलमऊगंजजिलारीवा स्थित भूमियां जरिये पुल्ली बटवारा तारीख 0-5-08-1955 प्राप्त हक व

राजेन्द्र प्रसाद दुबे

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश–ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

भाग–अ

प्रकरण क्रमांक 149–दो/2013 निगरानी जिला – रीवा

स्थान दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
11/8/17	उभय पक्ष के अभिभाषकों को पूर्व पेशी पर सुना जा चुका है। प्रकरण आदेश हेतु प्रस्तुत हुआ। अवलोकन किया गया। 2/ यह निगरानी अनुविभागीय अधिकारी मउगंज जिला रीवा के प्रकरण नंबर 19 अ–27/10–11 अपील में पारित अंतरिम आदेश दिनांक 16–10–12 के विरूद्व मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 50 के अंतर्गत प्रस्तुत की गई है, जिसके व्दारा ग्राम की नामान्तरण पंजी के सरल कमांक 16 पर आदेश दिनांक 22–2–2007 से नायव तहसीलदार व्दारा प्रमाणित किये गये नामान्तरण के विरूद्व प्रस्तुत अपील में हुये विलम्ब को क्षमा किया गया है। 3/ अनावेदक के अभिभाषक ने तर्को में बताया कि अनुविभागीय अधिकारी ने अंतरिम आदेश दिनांक 16–10–12 के वाद पक्षकारों को सुनकर प्रकरण का आदेश दिनांक 11–2–2013 से अंतिम निराकरण कर दिया है जिसके कारण यह निगरानी व्यर्थ है। प्रकरण के संपूर्ण तथ्यों पर विचारोपरांत पाया गया कि जब अनुविभागीय अधिकारी मउगंज ने प्रकरण नंबर 19 अ–27/10–11 अपील में पारित आदेश दिनांक 11–2–13 से अपील प्रकरण का निवटारा अंतिम रूप से कर दिया है, दुखी पक्षकार सक्षम न्यायालय में अनुविभागीय अधिकारी के अंतिम आदेश को चुनौती दे सकते हैं जिसके कारण विचाराधीन निगरानी में गुणदोष पर विचार का औचित्य न रहने से इसी–स्तर पर निरस्त की जाती है। सदस्य	